दृष्टि और बायव्रेशन द्वारा सेवा

परमात्म याद की दृष्टि द्वारा सेवा :-

दृष्टि से अशान्त आत्माओं के संकल्प शान्त हो जाएंगे।
दृष्टि से अनेक आत्मायें अपने भाग्य व भविष्य का साक्षात्कार करेंगे।
दृष्टि से अनेक बीमारियां ठीक हो जाएंगी, दर्द कम हो जाएगी।
दृष्टि से अनेक आत्मायें निहाल हो जाएंगी, मन से हल्की हो जाएंगी।
दृष्टि से आत्माओं की अशुद्ध वृत्तियां बदलकर शुद्ध हो जाएंगी।
दृष्टि से आत्माओं को मुक्ति का वरदान मिल जायेगा।
दृष्टि से दोनों आंखें बल्ब के समान दिखाई देंगी, शरीर दिखाई ही नहीं देगा।
दृष्टि से आत्माएं अपने को भरपूर अनुभव करने लगेंगी, तृप्त हो जाएंगी।
दृष्टि से आत्माएं प्रभू प्यार की पालना का अनुभव करने लगेंगी।
दृष्टि से कमजोर आत्माएं अपने को शक्तिशाली अनुभव करने लग जाएंगी।
दृष्टि से निराश आत्माओं की जीवन उमंग-उत्साह वाली बन जाएगी।
दृष्टि से दु:खी आत्मायें सुख, शान्ति का अनुभव करने लगेंगी।
दृष्टि से देह से न्यारे होने का अनुभव होने लगेगा।
दृष्टि से लौकिकता समाप्त होकर जीवन में अलौकिकता, रूहानियत भर जाएगी।
दृष्टि अनेक आत्माओं के भाग्य का उदय कर देगी, भाग्यवान बना देगी।

दृष्टि को शक्तिशाली बनाने के लिए धारणाएं :-

लंबे समय से आत्मिक स्थिति और दृष्टि का अभ्यास बढ़ाते रहना है।
एकाग्रता की शक्ति बढ़ाने को स्वमान का अभ्यास करते रहना है।
मन्सा-वाचा-कर्मणा, संबंध-संपर्क में संपूर्ण पवित्रता की अनुभूति में रहें।
कर्म करते भी योगयुक्त स्थिति बनाए रखें।
हर आत्मा के प्रति, प्रकृति के प्रति शुभ भावना और शुभ कामना बनी रहे।

बायव्रेशन द्वारा सेवा :-

शुद्ध व पवित्र बायव्रेशन से लोगों के डिप्रेशन, टेन्शन समाप्त हो जाएंगे।
शुद्ध व पवित्र बायव्रेशन से सेवास्थान निर्विघ्न हो जाएगा, सेवा बढ़ती जाएगी।
शुद्ध व पवित्र बायव्रेशन से भूत, प्रेत, जंत्र-मंत्र असर नहीं करेंगे।
शुद्ध व पवित्र बायव्रेशन विनाश के बायव्रेशन को रोक देंगे।
शुद्ध व पवित्र बायव्रेशन अनेक विघ्नों से हमारी सुरक्षा करेंगे, सेफ्टी का साधन बन जाएंगे।
शुद्ध व पवित्र बायव्रेशन से दूसरों की हिंसक वृत्ति बदल जाएगी।
शुद्ध व पवित्र बायव्रेशन से हिंसक जानवर भी समीप नहीं आएंगे।
शुद्ध व पवित्र बायव्रेशन से प्रकृति भी सहयोगी बन जाएगी, कार्य सहज होने लग जाएंगे।
शुद्ध व पवित्र बायव्रेशन से हमारे पास से गुजरने वाले की वृत्ति भी शुद्ध व पवित्र हो जाएगी।

शुद्ध बायव्रेशन के लिए धारणाएं :-

श्रेष्ठ स्वमान का अभ्यास, अच्छे-अच्छे संकल्प लिखें, अच्छा योग करें, अच्छी पवित्रता हो।
याद रहे कि शुद्ध व शक्तिशाली बायव्रेशन बहुत जल्दी फैलते हैं।
वनस्पति, प्रकृति, जीव, जंतू, सब पर बायव्रेशन का सीधा असर पड़ता है।,
जैसे अगरबती से बदबू समाप्त हो जाती है ऐसे हमारे बायव्रेशन दूसरों की गंदगी समाप्त कर देंगे।
प्रकृति हमारे बायव्रेशन तुरन्त ग्रहण करती है। जो हम खाते-पीते हैं उसे दृष्टि देकर ग्रहण करना है।